SHRI KANWAR LAL GUPTA: This question is about Meerut; that is different.

MR. SPEAKER: It is about the same communal trouble.

Communal Riots in Chikkammagalur

*257. SHRI MOHSIN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the communal riots which took place at Chikkamagalur in Mysore State on the 6th and 8th of January, 1968;

(b) the estimated total loss of property belonging to minorities; and

(c) whether the incident has been entrusted to the Commission on Communal Disturbances recently appointed by Government?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI Y. B. CHAVAN): (a) Yes, Sir.

(b) The State Government are verifying the extent of the loss caused during the disturbances.

(c) No, Sir.

श्री यशपाल सिंह: क्या मैं सरकार से जान सकता हूं कि कोई शख्स जिस को 11 साल तक, 12 साल तक जेल में बन्द रखा और फिर उस के एकदम अपने विचारों का प्रचार करने के लिए भेज दिया जब कि उस ने अपने विचारों में तब्दीली का कोई एलान नहीं किया तो सरकार ने अपनी इस विवेकहीनता के लिए कहीं रिपेंट किया है ? जो कुछ बुद्धिहीनता सरकार से हुई है उस के लिए कहीं पब्लिक को बताया है कि हम से यह बेवकूफी हुई है, हम आइन्दा ऐसा नहीं करेंगे ?

श्री यशवंत राव चव्हाण : आनरेबल मेम्बर ने जरा कुछ पहले ही बुद्धिमत्ता इस्तेमाल की होती और समझने की कोशिश की होती तो उन्हें मालूम होता कि इन नेताओं को सरकार भेजती नहीं । यह तो उन को हक है जाने का । तो यह तो कम से कम बुद्धिमत्ता की बात आपने सोची होती ।

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह जो आप में से ही हैं आज तक भी गांधी टोपी लगाते हैं और आप के ही विचारों के हैं क्या उन से भी आप ने मशविरा किया था उस स्टेट के चीफ मिनिस्टर से कि हम इस तरह प्रचार करने के लिए शेख अब्दुल्ला को भेज रहे हैं ?

श्री यशवंत राव चव्हाण : आप गांधी टोपी नहीं पहनते लेकिन मैं यह तो आशा कर सकता हूं कि आप कुछ इतना तो समझ सकते हैं हम ने कहा कि हम नहीं भजते हैं उन को । भेजने की हमारी जिम्मेदारी नहीं है । वह एक फ्री सिटिजन हैं तो उन का हक है जाने आने का ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : वह अपने को यहां का नागरिक नहीं कहते ।

श्री यशवन्त राव चव्हाण : वह नहीं कहते लेकिन मैं तो कहता हूं कि वह हमारे नागरिक हैं . . .

श्री हुकम चन्द कछवाय : वह तो नहीं मानते ।

श्री यशवन्त राव चव्हाण : नहीं मानने से क्या होता है . . (व्यवधान) . . . . .

श्री प्रेम चन्द वर्मा : मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा हूं कि क्या यह दुरुस्त है कि मेरठ के झगड़े का कारण शेख अब्दुल्ला थे और क्या यह भी सही है कि सब से पहले जमैत-उल-उलेमा-हिन्द के वर्कर्स ने मुजाहरीनज पर लाठियों, कुल्हाड़े और लोहे की सलाखों से हमला किया और पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाए ? मैं जानना चाहता हूं कि इस सिलसिले में कितनी गिरफ्तारियां की गई और कितने चालान किए गए हैं? गिरफ्तारी के बाद जिन को छोड़ा गया उन में जमैत-उल-उलेमा के कितने लोग थे ।

SHRI Y. B. CHAVAN: I have not got all this detailed information. The State Government is making inquiries into this matter.

श्री वेणी शंकर शर्मा : क्या यह सही है कि मेरठ जाने के पहले और पीछे शेख अब्दुल्ला ने उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर जो भाषण दिए थे उन्हें उत्तर-प्रदेश की सरकार आपत्तिजनक मानती है और उस ने केन्द्रीय सरकार से इन आपत्तिजनक भाषणों के विरुद्ध मुकदमा चलाने की इजाजत मांगी है ? यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार ने क्या उत्तर दिया है ? यदि उत्तर नहीं दिया है तो उत्तर देने में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

SHRI Y. B. CHAVAN: I do not know under what Act they want to take action, but if it is under the Unlawful Activities (Prevention) Act, naturally they will require the consent of the Government of India. It is for them to decide under what Act they want to take action.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Have you received any letter from the UP Government? That is his question.

SHRI Y. B. CHAVAN: I have not yet answered the full question. Why are you interrupting?

Certainly, I have received a letter from the Chief Minister about this matter, but in this matter all the legal aspects will have to be very carefully examined; it is no use rushing into this matter. If he asked for my advice, I would certainly say that we should not make any haste in starting any prosecution against Sheikh Abdullah.

श्री शिव कुमार शास्त्री : क्या सरकार को मालूम है कि शेख अब्दुल्ला के मेरठ जाने पर उन के स्वागत के लिए एक समिति गठित गठित हुई थी जिसके स्वागताध्यक्ष जनरल शाह नवाज खां थे ? क्या सरकार को यह भी मालूम है कि दंगा के बाद वहां के मुख्य मंत्री ने शांति के लिए जो अपील निकाली उस पर हस्ताक्षर करने से जनरल शाह नवाज़ खां ने निषेध किया ?

श्री यशवन्त राव चव्हाण : मुझे पता नहीं कि उन्होंने क्या निषेध किया और क्या नहीं किया, लेकिन यह सही है कि वह उन को बुलाने वालों में थे और इस में कोई गलती है यह मैं नहीं मानता ।

श्री लतीफ अली खां : क्या गवर्नमेंट को यह मालूम है कि ऐसा प्लान बहुत अर्से से बनाया जा रहा था कि शेख अब्दुल्ला को रास्ते में ही खत्म कर दिया जाय । एक बहुत बड़ा मजमा शेख अब्दुल्ला का इन्तजार कर रहा था कि वह दिल्ली से मेरठ जाते हुए एक खास मुकाम पर पहुंचे तो उन को घेर कर खत्म कर दिया जाये लेकिन इत्तिफ़ाक से वह उस रास्ते से नहीं गये बल्कि दबबन्द से चले आये ?

[شری لطیف علی خاں - کیا گورنمنٹ کو یہ معلوم ہے کہ ایسا پلان بہت عرصہ سے بنایا جا رہا تھا کہ شیخ عبداللا کو راستے میں ہی ختم کر دیا جائے - ایک بہت بڑا مجمع شیخ عبداللا کی انتظار کر رہا تھا کہ وہ دہلی سے میرٹھ جاتے ہوئے ایک خاص مقام پر پہونچیں تو ان کو گھیر کو ختم کر دیا جائے - لیکن اتفاق سے وہ اس راستے سے نہیں گئے بلکہ دیوبند سے چلے آئے -]

SHRI Y. B. CHAVAN: I have no information of that.

DR. RANEN SEN: May I know whether it is known to the Government of India that a few days before these communal disturbances in Meerut, certain Hindu communal elements had delivered inciting speeches in the city of Meerut and that, as a result of that, communal tension had already started before Sheikh Abdullah reached that place and that it was Muslims who were first attacked by Hindu communal elements and, if so, what is the opinion of the Government in regard to that?

SHRI Y. B. CHAVAN: I have not got all the details. As I said, these matters are being enquired into by the U.P. Government. Unless I get all the detailed information, I cannot give my opinion about these matters.

श्री चन्द्रजीत यादव : 20 साल की आजादी के बाद भी हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में साम्प्रदायिक दंग हो रहे हैं। हमारे देश की जो बुनियाद है जिस पर हम ने सेक्यूलरिज्म की राष्ट्रीय नीति की बुनियाद रखी थी, बहुत सी राजनीतिक पार्टियां, बहुत से ऐसे साम्प्रदायिक दल और संगठन हैं जो इस के खिलाफ आर्गेनाइज्ड तरीके से हिस्सा ले रहे हैं बल्कि यह भी देखा जाता है कि जहां पर इस प्रकार की घटनायें होती हैं, उन में सरकारी कर्मचारी और पुलिस का एक हिस्सा भी उन के साथ सहयोग करता है या उन को एन्कैज करता है । क्या सरकार इस पर विचार कर रही है कि प्रिवन्टिव डिटेन्शन ऐक्ट या अनलौफुल एक्टीविटीज एक्ट के अण्डर उनके ख़िलाफ़ सख्त कार्यवाही की जाय तथा ऐसी ताकतें जो हमारे सरकारी कर्मचारियों के अन्दर बढ़ रही हैं, उन को रोका जाय । क्या सरकार इस पर भी विचार कर रही है कि ऐसे लोगों की जो सैक्यूलरिज्म में यकीन करते हैं एक मीटिंग बुलाकर सारे देश में सैक्यूलरिज्म का वातावरण पैदा करने की कोशिश करेंगे ताकि सरकारी कर्मचारियों और देश में ऐसी प्रवृत्ति आगे न बढ़े ।

SHRI Y. B. CHAVAN: I entirely agree with the hon. Member that these communal tensions are cutting at the very root of our secular democracy and all political parties and their leader will have to take great care in seeing that this does not happen. In order to find out exact causes of these disturbances and to take some policy decisions on the basis of those enquiries, a commission of inquiry has been appointed and, I hope, this commission of inquiry will complete its inquiry as soon as possible. There is no doubt that there is communal politics in India today. But I have no information to blame one particular party or one particuar organisation in this matter. It is an accepted fact that there is communal politics as such and it is such thinking which is mainly responsible for creating these difficulties. There is no doubt about it.

श्री इसहाक सामभली : क्या माननीय मंत्री मेहरबानी कर के यह बतालायेंगे कि 28 जनवरी को शेख अब्दुल्ला के मेरठ में पहुंचने से पहले हिन्दू महा सभा के एक वर्कर मि० विनोद की तरफ़ से एक इश्तिहार छापा गया था, जिस में निहायत ही इरतआल-अंग्रेज तरीके से कहा गया था कि डा० श्यामा प्रसाद मुकर्जी के कातिल को यहां नहीं आने दिया जायगा और हिन्दुस्तान के मुसलमानों को पाकिस्तानी गद्दार कहा गया था—क्या यह सही है ? दूसरे—क्या यह सही है कि मेरठ के अन्दर जितने आदमी मारे गये हैं, जो कत्ल हुए हैं, वे सब के सब मुसलमान हैं—क्या सरकार के पास इस चीज की भी इत्तिला है ?

[شری اسحاق سامبلی - کیا مانیہ منتری مہربانی کر کے یہ بتلائیں گے کہ ۲۸ جنوری کو شیخ عبداللا کے میرٹھ پہنچنے سے پہلے ہندو مہا سبھا کے ایک ورکر مسٹر ونود کی طرف سے ایک اشتہار چھاپا گیا تھا جس میں نہایت ہی اشتعال انگیز طریقے سے کہا گیا تھا کہ ڈاکٹر شیاما پرشاد مکرجی کے قاتل کو یہاں نہیں آنے دیا جائے گا اور ہندوستان کے مسلمانوں کو پاکستانی غدار کہا گیا تھا - کیا یہ صحیح ہے - دوسرے - کیا یہ صحیح ہے کہ میرٹھ کے اندر جتنے آدمی مارے گئے ہیں ، جو قتل ہوئے ہیں وہ سب کے سب مسلمان ہیں - کیا سرکار کے پاس اس چیز کی اطلاع ہے ؟

SHRI Y. B. CHAVAN: As far as who shouted rupat slogan and at what time is concerned, I have no particular information about it. It is possible that when a communal tension rises and grows ultimately leading to communal conflict involving the deaths of some persons, naturally such undesirable slogans must have been shouted there.

It is not a fact that all the affected persons are Muslims, but it is a fact that a large number of them are....

AN HON. MEMBER: A majority of them.

SHRI Y. B. CHAVAN: Yes; a majority of them are.

श्री मु० अ० खां : अध्यक्ष महोदय, कम्यूनल डिस्टर्बेन्सेज के लिये सिलसिले में 20 साल से जो प्रैक्टिस चल रही है और जिस से कि देश की सब से बड़ी माइनौरिटी, सब से बड़ी अकलियत के अन्दर यह अहसास पैदा हो गया है कि उस को कांस्टीचूशन में दिये हुए सही राइट्स—यानी उसकी जान, माल और इज्जत महफूज नहीं है, क्या सरकार इस किस्म के अहसास को खत्म करने के लिए कोई ऐसा इफैक्टिव कदम उठाने के लिये तैयार है जिस से कि इस बड़ी माइनौरिटी को यह अहसास हो सके कि अब उसकी जान, माल और और इज्जत महफूज है ?

SHRI Y. B. CHAVAN: I must say that this is absolutely a very wrong and perverse propaganda that is being carried on that the life and property of the minorities are in danger. This is not so. Certainly, there can be certain grievances; I do not deny the possibility of there being certain grievances. These grievances will have to be looked into with a sense of justice and removed. It is this type of propanganda which is responsible for this type of communal feeling in this country.

SHRI M. A. KHAN: It is objectionable....

MR. SPEAKER: Which part of it is objectionable?

श्री मु० अ० खां: यह प्रोपेगण्डा नहीं है ।

These are the facts.

20 साल से यह प्रैक्टिस बता रही है ।

SHRI Y. B. CHAVAN: I do not agree.

MR. SPEAKER: The hon. Member may think like that. He has the right to think like that. The Minister has also the right to say what he thinks fit.

श्री हरदयाल देवगुण : मंत्री महोदय ने अभी स्वीकार किया है कि देश में एक साम्प्रदायिक राजनीति चल रही है । शेख अब्दुल्ला जो भाषण कर रहे हैं, क्या व उन को भी साम्प्रदायिक राजनीति समझते हैं ? दूसरे—जमैयतुल-उलेमा की तरफ़ से, जो कांग्रस की समर्थक रही है, सब जगहों पर शेख अब्दुल्ला के स्वागत का आयोजन हो रहा है । क्या यह सरकार के इशारे पर शेख अब्दुल्ला का जगह जगह पर सम्मान करवाया जा रहा है, जब कि वह साम्प्रदायिक भाषण दे रहे हैं ? तीसरे—मेरठ में जिन लोगों का अभी तक पता नहीं लगा है, जो लापता हैं, उनके बारे में क्या सरकार के पास कोई जानकारी है, 40 लोग जो लापता हैं, वे कौन हैं, उन में अधिक संख्या किन की है ?

SHRI Y. B. CHAVAN: It is again, I should say, a misconceived idea that the receptions that are given to Mr. Sheikh Abdullah are done at the behest of Government....

SHRI KANWAR LAL GUPTA: Jamait-ul-Ulema did it.

SHRI Y. B. CHAVAN. Jamait-Ul-Ulema can certainly do that. There is nothing wrong if Jamait-Ul-Ulema does it. But to suggest that the Government is doing is not correct. As a counter-question, can I say that all

those troubles, were created at the behest of the hon. Member's Party. (*Interruptions.*) I am not suggesting that. Therefore, it would be wrong to make the suggestion that the Government is doing it.

Certainly we have our own assessment of what Mr. Sheikh Abdullah is saying and doing. In reply to some of the questions I have said here that some of the statements that he has made were misconceived and objectionable. It is not necessary that we need agree with whatever he says. But at the same time we have to look at the entire question a little moer objectively.

SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI: Just now the hon. Minister has said that the Government is making an assessment of the speeches made by Mr. Sheikh Abdullah. I would like to know from the hon. Minister whether their assessment corresponds to the fact that some of his speeches are also not helping to establish communal peace in this country.

SHRI Y. B. CHAVAN: I gave my assessment, of whatever worth it was. Whether it is helping the communal thing or not, certainly one will have to be careful in making use of this. (*Interruption*).

SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI: What is the assessment?

SHRI Y. B. CHAVAN: I did say that some of his statements were misconceived and objectionable.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय हिन्दू मुसलमान एकता का नारा तो 21 साल से हम दे रहे हैं लेकिन उस के बावजूद यह बात भी सत्य है कि अलगाव जैसा कि पहले था वैसा आज भी है और बीच बीच में यह दंगे फिसाद होते रहते हैं । अगर एक दूसरे पर केवल दोष लगाने का काम हम करना चाहते हैं तो दूसरी बात है लेकिन मैं सरकार से कहना जानना चाहता हूं कि क्या उसका ध्यान इस ओर भी गया है कि स्वर्गीय राम मनोहर लोहिया और स्वर्गीय दीन दयाल उपाध्याय दोनों ने मिल कर दो तीन साल पहले एक संयुक्त बयान दिया था जिसमें कहा गया था कि हर मुसलमान की जान माल और इज्जत की रक्षा करना हर नागरिक का कर्त्तव्य है और जो ऐसा काम नहीं करता है . .

MR. SPEAKER. How does it arise on this question?

श्री मधु लिमये : मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो एक अच्छा वक्तव्य आया था जो कि दोनों का संयुक्त वक्तव्य था उसे सरकार बड़े पैमाने पर कई भाषाओं में वितरित करने का काम करेगी ताकि जो एक अच्छा काम हुआ है उसका इस्तेमाल अच्छाई के लिए हो सके ?

MR. SPEAKER: Absolutely not relevant.

SHRI Y. B. CHAVAN: I am very glad indeed that these two leaders, important as they were, had issued such a statement. Certainly, it must have influenced public opinion at that time. But the question of Hindu-Muslim unity is one of the basic planks of our secular democracy, and Gandhiji more than anybody else was teaching us this even at the cost of his own life. So there is no question of selecting any one particular statement and circulating it.

श्री मधु लिमये : आप सब करिये एक के लिए ही मैं नहीं कह रहा हूं ।

Shri K. Narayana Rao: Had Pakistan any hand in these recent communal disturbances?

SHRI V. B. CHARAN: I have no information.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूं कि मेरठ में जो दंगा हुआ इस में प्रमुख हाथ शाह निवाज खां का था और इस सम्बन्ध में उन्हें शासन की ओर से चेतावनी भी दी गई तो क्या सरकार ने उन के विरुद्ध कोई कार्यवाही की

की है ? यदि नहीं, तो उस के क्या कारण हैं ? दूसरे यह कि शेख अब्दुल्ला ने, पिछली बार जब उन को छोड़ा गया था, इसी प्रकार साम्प्रदायिक भाषण देने प्रारम्भ किए थे और सरकार ने उन को पुनः बन्द किया था और शास्त्री जी ने उन्हें फिर छुड़वाया तो मैं जानना चाहता हूं कि यह जो उनकी गतिविधि है उस से साफ जाहिर है कि वे देश के वफादार नहीं हैं और वह नहीं समझते हैं कि वे इस देश के नागरिक हैं, क्या सरकार को विश्वास हो गया है कि कि वह इस देश के नागरिक हैं और ऐसी गतिविधियां नहीं करेंगे ?

SHRI Y. B. CHAVAN: I must say that this remark about Shri Shahnawaz is a very unfounded statement, and may I say, irresponsible too, against one of the ex-members of this House. It is very wrong to say so without any evidence. As far as my information goes, it is not true.

About Sheikh Abdullah, I have already explained the position in regard to this particular matter.

श्री काशी नाथ पांडेय : क्या यह बात सही है कि शेख अब्दुल्ला के सम्बन्ध में सारे वातावरण में गर्मी इसलिए आई कि काले झंडे से उनका स्वागत करने का निश्चय किया गया ? शेख अब्दुल्ला दो घंटे तक मीटिंग करते रहे लेकिन झगड़ा दरवाजे पर होता रहा ।

श्री यशवन्त राव चव्हाण : ऐसी मेरी इत्तला है ।

SHRI H. N. MUKERJEE: In view of the fact that in recent months there have been a series of incidents involving Hindu-Muslim trouble which have cast a slur on the reputation of our country, and particularly in view of the recent happenings in Meerut, following upon Ranchi, Jamshedpur and so many other places—some Members of Parliament, Shri N. C. Chatterjee, Shri Bakar Ali Mirza, Shri Jyotirmoy Basu and myself went to Meerut with the good offices of the Prime Minister to see what had happened, and we can say the Muslim community was in a panic because of their being a minority community there—in view of the feeling amongst the Muslim community that for quite some time India's record in regard to secular practices has been besmirched, may I know how it is that the Government takes an attitude which is not self-critical at all but on the contrary tries to put the blame on something which Sheikh Abdulla is alleged to have said? Why does not the Government come forward with a self-critical analysis of the position and see to it that these things do not happen in future?

SHRI Y. B. CHAVAN: I must say that the hon. Member has not understood what I have said. Possibly, he never tries to do so. I never said that we were not taking a self-critical attitude on this question. We have said that we are very unhappy about what has happened. In order that this self-criticism may be more objective, we have appointed a commission to look into the causes of these incidents. If the Government has some share in the blame, we shall come forward before the House and accept it. I have never said that there is no cause for grievance among the Muslims nor have I said that Sheikh Abdulla is responsible for any communal feeling. What I have said about some of the statements that he made was that they were partly misconceived, particularly when he said that he was provisionally a national of this country I consider this to be an objectionable statement.

SHRI INDRAJIT GUPTA: Does that justify killing of Muslims?

SHRI Y. B. CHAVAN: Who says so? Unless you are trying to attribute to me something which I have never said, I have not said so. On the contrary, I have said that we shall have to consider all these questions objectively.

श्री शिव नारायण : क्या यह सही है कि यू० पी० के चीफ मिनिस्टर पांच दिन के बाद मेरठ गए ? ? शाह निवाज खां पर अटैक किया गया, वे आई० एन० ए० के हमारे लीडर रहें हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूं हूं कि जिन लोगों ने काले झंडे दिखाये उन के खिलाफ कोई ऐक्शन लिया गया और जो लोग मारे गये उनको कितना पैसा दिया गया ?

SHRI Y. B. CHAVAN: Naturally the state Government was expected to take action. I know that the Chief Minister did not go there on the very first day. But to be fair to him, I must say that I had some discussion with him on this matter and the Chief Minister said that if he went there it would distract the officials from their normal duties instead of helping a solution and so it would not be useful. After two or three days he went there and he called a meeting of the leaders of both communities. I think his personal visit at that time had done some good.

SHRI M. L. SONDHI: The Muslims are hon. citizens of this country and those of them who are economically worse off are entitled to such sympathy and concern as any other section of our community and all political parties including the Bharatiya Jan Sangh have a feeling of intense concern for the welfare of Muslims as honoured citizens of this country. In the present political situation there is something known as Muslim politics in this country. Why do the Congress Party and the Home Minister create an impression that they side with one section of the Muslim community, sometimes those who favour Nasser Versus those who favour Saudi Arabia and sometimes Jamiat versus Jamir. There is a way in which a phenomenon like this happened in Meerut. Government should have a deeper look at these things. The Muslim community needs leadership and leadership can come from Khan Abdul Ghaffar Khan Why do not Government bring him? Why are they preventing him from coming here? People like Shahnawaz Khan and Mehr Chand Khanna have deprived Khan Abdul Ghaffar Khan of Rs. 4 lakhs and I think the Home Minister knows it.

MR. SPEAKER: Order, order. No answer is necessary.

श्री रघबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए सवाल पूछता हूं कि मैं खुद मेरठ गया था। वहां जाकर मुझे बड़ा दुख पहुंचा। आपकी मारफत मैं होम मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या खास तौर पर मेरठ का लोकल डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन और वहां की सरकार फिर्कापरस्त साबित नहीं हुई है क्योंकि उस कालेज में जहां यह कांफ्रेंस होती थी उस के सामने ही फिर्कापरस्तों के जुलूस को निकालने की इजाजत उन्होंने क्यों दी ? जनरल शाहनवाज जब शहर में अमन चैन रखने के लिए दूसरे मुस्लिम लीडरों के साथ कोआपरेशन करना चाहते थे तो वहां के लोकल ऐडमिनिस्ट्रेशन ने उन से कोआपरेशन क्यों नहीं किया ?

जिस वक्त 11 बजे शेख अबदुल्ला का लैक्चर खत्म हुआ और वह जाना चाहते थे तो उस वक्त शाहनवाज ने पुलिस ऐसकर्ट मांगी लेकिन वह पुलिस ऐसकर्ट उन्हें नहीं दी गई और वह बगैर पुलिस मदद के जब मोदी नगर में पहुंचे तो वहां एक काफी मौब आगे खड़ा था लेकिन वह भीड़ को चीर कर एकदम से जैसे तैसे गुजर गये लेकिन अगर कहीं कुछ गड़बड़ हो जाती तो क्या पाकिस्तान के हाथ इस बात में मजबूत नहीं होते और हिन्दुस्तान की पोजीशन दुनिया के सामने कमजोर नहीं हो जाती। यह सब डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रेशन और यू०पी० गवर्नमेंट का कोआपरेशन न मिलने की वजह से हुआ

मैं पूछना चाहता हूं कि यू० पी० गवर्नमेंट और वह डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रेशन क्या इसके वास्ते जिम्मेदार नहीं हैं।

MR. SPEAKER: Seth Achal Singh. He has heard your speech. I do not allow.

SHRI Y. B. CHAVAN: Naturally, for the district administration the Uttar Pradesh Government is responsible. It is a very obvious thing.

MR. SPEAKER: It is very simple.

श्री अचल सिंह : गृह मंत्री ने हाल ही में कहा था कि वह देश में एक नेशनल इन्टेग्रेशन कान्फ्रेंस बुलाने जा रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि वह इसे कब तक तक बुलाने जा रहे हैं ?

SHRI Y. B. CHAVAN: That matter is being pursued.

SHRI A. SREEDHARAN: Our secular democracy is at the cross-roads, and the ugly head of communalism is gain on the increase, and it is going to strike at the very root of our democracy. What has happened in Meerut is only an indication of this. I would like to ask the Minister whether the Government have taken into consideration the fissiparous and communal tendencies that are abounding and whether the Government have initiated any scheme to meet the challenge, beat it and create a communal harmony in this country? What steps are the Government going to take to elicit the support of the public in this direction?

SHRI Y. B. CHAVAN: It is not only one step, one statement or one speech that is going to create this condition. We will have to make a continuous effort at all levels from all angles and from everybody. This is such an important, basic question. I have said that certainly the Muslim minority have certain grievances and those grievances need to be looked into. I do not want to create any doubt in the mind of anybody in this country. They are certainly a minority and they are on titled to better protection and it is for that matter that we have to take different steps.

As far as the communal politics is concerned, I certainly would make an appeal through you to this hon. House and through this House to the entire country that we will have to make a tremendous effort in this matter to see that any feeling, directly or indirectly responsible for communal tension should be removed.

SHRI J. H. PATEL: (*Spoke in Kannada*).

MR. SPEAKER: I have no objection to your putting it in Kannada. But the precious time of the House is wasted. You did it once. Now I am requesting you not to waste the time of the others also, who are anxious to put questions. Why don't you give them at least a chance? You have already put it once in Kannada, and in English. I am not asking you to break any principle and so on. But you did speak on that day in English.

SHRI J. H. PATEL: That was only because you asked us to put the question in English.

MR. SPEAKER: I requested you; it is not compulsory.

SHRI J. H. PATEL: In order to respect your word, I shall, put it in English, but our right to speak in our language is there.

MR. SPEAKER: It was conceded long ago.

SHRI J. H. PATEL: Your efforts to get a simultaneous translation must not be hampered. Recently about 1½ months back, in Mysore State, in Chikmagalur district, nearly Rs. 1 crore worth property belonging to Muslims was looted and the Mysore Government and the district authorities were silent spectators. These incidents raise all sorts of apprehensions in the mind of the minority community in this country. May I know whether the Central Government is

going to investigate into this matter and pay compensation to the Muslims who have suffered damages in the communal riots?

SHRI Y. B. CHAVAN: It is very unfortunate that these disturbances took place and property belonging to Muslims was looted. The State Government are verifying the extent of loss caused during the last disturbances. Unless I get detailed information, it will be difficult for me to give any information.

श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बिहार में यह जो कम्युनल राइट्स हुए हैं उन के पीछे क्या कम्युनिस्ट पार्टी का हाथ नहीं है ?

SHRI Y. B. CHAVAN: Which party is responsible for the disturbances, I cannot say. Personally I would not hold any political party responsible unless I have got any evidence to the contrary. The commission is looking into this matter.

श्री कंवर लाल गुप्त : जो देश में इधर उधर दंगे हुए यह बहुत अनफोरचुनेट हैं। इन को कोई पसन्द नहीं करता । मैं समझता हूं कि हर एक देश के नागरिकों को माइनारिटीज की रक्षा करनी चाहिये । कोई सवाल गड़बड़ करने का नहीं आता लेकिन जैसा कि मंत्री महोदय ने अभी यह कहा कि मुसलमानों के ग्रीवियासेज हैं और उस की वजह से कई बार यह झगड़ा होता है, और गड़बड़ होती है, तो मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि 20 साल से मुसलमानों के जिन के कि यह सरकार जैनविन ग्रीवियासेज समझती है उन को दूर क्यों नहीं करती और वह देश में इस प्रकार का वातावरण क्यों नहीं बनाते जिस से कि सब लोग एक साथ इकट्ठा रह सकें ?

क्या यह बात सही नहीं है कि कुछ लोग इस को ऐक्सरेट करते हैं और उसका पाकिस्तान नाजायज फ़ायदा उठाता है?

SHRI Y. B. CHAVAN: Your question is a contradiction in itself. First of all you asked me, What have you done? Secondly, you are trying to put a Jan Sangh interpretation on the whole question.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: I am a Jan Sanghi. I cannot put a Congress interpretation on it.

SHRI Y. B. CHAVAN: On such questions of national importance like minorities etc., my request is, a party interpretation should not be put. About Muslim minorities, there cannot be a Jan Sangh attitude, a Communist attitude or a Congress attitude, there can be only one national attitude. We have done all that is possible, but unfortunately the communal politics today in India is responsible for this.

श्री गुलाम मुहम्मद बख्शी : एक स्पैसिफिक बात थी उस में कुछ दूसरी सूरत अख्त्यार की जिस के मुताल्लिक आज 5–6 दिन से पार्लियामेंट में प्रेसीडैंट ऐड्रस के दौरान डिबेट हो रहा है कि हिन्दुस्तान की जो यूनिटी है उस के लिए नेशनल एप्रोच लाजिमी है और उस के अलावा और कोई उसका इलाज नहीं है । इस पर तमाम जमातों ने जोर दिया और मेरा यह यकीन है कि सिर्फ गवर्नमेंट इस को सौल्व नहीं कर सकती है। इसकी जिम्मेदारी उधर भी है, और हर एक मेम्बर की जिम्मेदारी है। मैं ईमानदारी से यह कह सकता हूं कि जब तक यह एप्रोच नहीं होती है तब तक यह अहम मसली जोकि मुल्क को फेस कर रहा है वह हल नहीं होता है । महज यह ब्लेम करने से कि फलां ने किया या फलां ने नहीं किया काम नहीं चलने लगा है । मैं जो कुछ भी अभी कहा जा रहा था उसको ध्यान से सुन रहा था ।

सवाल मामूली था कि शेख अब्दुल्ला के मेरठ जाने पर जो फसाद हुआ उसकी जिम्मेदारी किस पर है ? आप ने साफ़ कहा कि शेख अब्दुल्ला पर नहीं है क्योंकि उन्होंने कोई ऐसी बात नहीं की। अब एक स्पैस्फिक सवाल पूछा गया है कि क्या यह वाक्या है कि दो दिन पहले हिन्दू महासभा के सेक्रेटरी ने यह पोस्टर निकाला था कि मेरठ में स्वर्गीय शयामा प्रसाद मुकर्जी का क़ातिल आ रहा है ।

[شری غلام محمد بخشی - ایک لشپیسفک بات تھی اس نے کچھ دوسری صورت اختیار کی جس کے متعلق آج ٥ - ٦ دن سے پارلیامنٹ میں پریسیڈنٹ ایڈریس کے دوران ڈیبیٹ ہو رہا ہے کہ ہندوستان کی جو یونٹی ہے اس کے لئے نیشنل اپروچ لازمی ہے اور اس کے علاوہ اور کوئی اس کا علاج نہیں ہے - اس پر تمام جماعتوں نے زور دیا اور میرا یہ یقین ہے کہ صرف گورنمنٹ اس کو سالو نہیں کر سکتی ہے - اس کی ذمہ داری ادھر بھی ہے اور ادھر بھی ہے - ہر ایک ممبر کی ذمہ داری ہے - میں ایمانداری سے یہ کہہ سکتا ہوں کہ جب تک] یہ اپروچ نہیں ہوتی ہے تب تک یہ اہم مسئلہ جو کہ ملک کو فیس کر رہا ہے وہ حل نہیں ہوتا ہے - محض یہ بلیم کرنے سے کہ فلاں نے کہا یا فلاں نے نہیں کہا کام نہیں چلنے والا ہے - میں جو کچھ ابھی کہا جا رہا تھا اس کو دھیان سے سن رہا تھا - سوال معمولی تھا کہ شیخ عبداللہ کے میرٹھ جانے پر جو فساد ہوا اس کی ذمہ داری کس پر ہے - آپ نے صاف کہا کہ شیخ عبداللہ پر نہیں ہے کیونکہ انہوں نے کوئی ایسی بات نہیں کی - اب ایک اسپیسفک سوال پوچھا گیا ہے کہ کیا یہ واقعہ ہے کہ دو دن پہلے ہندو مہا سبھا کے سیکریٹری نے یہ پوسٹر نکالا تھا کہ میرٹھ میں سورگیہ شیاما پرشاد مکرجی کا قاتل آ رہا ہے -

उन लोगों के लिये इतना ही काफी था क्योंकि करोड़ों इन्सान श्री श्यामाप्रसाद मुकर्जी को मानते थे, मानते हैं, और मानते रहेंगे ।

ان لوگوں کے لئے اتنا ہی کافی تھا کیوں کہ کروڑوں انسان شری شیاما پرساد مکرجی کو مانتے تھے - مانتے ہیں اور مانتے رہیں گے -]

SHRI KANWAR LAL GUPTA: You cannot deny it. Let there be an inquiry...(*Interruptions*).

MR. SPEAKER: Order, order.

SHRI M. L. SONDHI: Sir, Shri H. N. Mukerjee, a Member of this House, himself knew that Shri Shyama Prasad Mukerjee met his end in a mysterious way. He is the leader of our party. He is the founder of our party. We have every right to get agitated. He is today known not as the Hindu Mhasabha Leader but as the Jan Sangh leader. He is the father of Indian democracy. What has happened to Deen Dayal Upadhyaya? There is a letter published in the *Times of India* today written by an External Affairs official saying that his death was accidental. We say it is a political murder.

MR. SPEAKER: Order, order. The hon. Member should not have the privilege of getting up and shouting like this.

श्री कंवर लाल गुप्त : वह इस तरह की बातें क्यों करते हैं । सिर्फ सवाल पूछें । (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The hon. Member may put the question.

श्री गुलाम मुहम्मद बख्शी : मेरा सवाल यह है कि इतना ही काफी था लोगों के जेहनों को इन्साइट करने के लिये चुनांचे

सभी के नतीजे के तौर पर यह हुआ। मुझे जरा भी ऐतराज नहीं है अगर श्यामा प्रसाद मुकर्जी के बारे में एन्क्वायरी हो ..

[شری غلام محمد بخشی - میرا سوال یہ ہے کہ اتنا ہی ملی تھا لوگوں کے ذہنوں کو انسانٹ کرنے کے لئے - چنانچہ اس کے نتیجے کے طور پر یہ ہوا - مجھے ذرا بھی اعتراض نہیں ہے اگر شیاما پرساد مکرجی کے بارے میں انکوائری ہو -]

MR. SPEAKER: The Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

हिन्दी में विधेयकों का पुरःस्थापन

*243 श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या गृह-कार्य मंत्री 13 दिसम्बर, 1967 के तारांकित प्रश्न संख्या 637 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संसद् में मूल विधेयकों को हिन्दी में पुरःस्थापित करने के सम्बन्ध में कोई निर्णय किया गया है ; और

(ख) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) मामला अभी विचाराधीन है ।

(ख) यह महत्वपूर्ण विषय है और इस प्रस्ताव के विभिन्न पहलुओं पर सावधानी से विचार करना आवश्यक है ।

India Office Library, London

*244. SHRI BABURAO PATEL: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether the U.K. Government have finally set up the proposed tribunal to divide the contents of the India Office Library in London between India and Pakistan;

(b) if so, the names of the members of the tribunal;

(c) if the reply to part (a) above be in the negative the reasons for the delay in appointing the tribunal; and

(d) the steps Government are taking to solve this problem?

THE MINISTER OF EDUCATION (DR. TRIGUNA SEN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) and (d). The terms of reference of the proposed Tribunal have not yet been agreed upon by all concerned. While the Government of India have agreed to the proposal of the Government of the U.K. regarding the system of law to be applied by the Tribunal for the settlement of the question, the decision of the Pakistan Government on this issue is still awaited. The need for an early settlement of the question was pointed out to the British Secretary of State for Commonwealth Affairs in December, 1967. The U.K. Government are continuing their efforts to get the reply of the Pakistan Government.

Nefa

*246. SHRI HIMATSINGKA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Prime Minister visited the border areas of NEFA in December, 1967;

(b) if so, whether she studied the question of abolishing the inner-line control arrangement preventing social intercourse of the NEFA people with those of the surrounding areas of Assam; and

(c) if so, the decision taken by Government on this issue in the light of her latest visit?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) Yes Sir. Some places in the border region of NEFA were visited by the Prime Minister in December last.